विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

❖ अमरावती, गुरूवार 21 से 27 मार्च 2024 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 39 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

पूज्य बाबूजी का ज़ीवन सिध्दांत

ज़ीवन में सदैव बिना स्वार्थ मदद का भाव रखना चाहिए. अपने से छोटे से जलने वाले का कभी भला नहीं होता है. इसलिए दिल सदैव बड़ा रखेंगे तो भगवान बड़ा ही देगा. वर्ना बड़े होकर भी नीच होने में समय नहीं लगता है. जीवन में प्रभु ने जितना दिया, उसे पर्याप्त मानते हुए सदैव कृतज्ञता का भाव रखने वाला कभी परेशान नहीं होता है. लेकिन प्रभु देने के बाद भी असंतुष्ट व्यक्ति मौत तक कभी संतुष्ट नहीं हो पाता है. इसलिए संतोषम परम् सुखम मानें.

डिप्रेशन का संकेत है ऐसा करना....

सोते समय मोबाइल पर चिपके रहना भी है घातक, नींद से उठते मोबाइल,टीवी देखना हो सकता है घातक

विदर्भ स्वाभिमान,20 मार्च

वाशिंग्टन/मुंबई- आधी बीमारियों का कारण आज हमारी जीवनचर्या बन गई है.देर से सोना और देर से उठने के साथ ही मोबाइल पर घंटों लेटकर चिपके रहना अत्याधिक घातक रहने की बात सामने आयी है. इससे मानसिक बीमारियों के साथ ही डिप्रेशन की समस्या तेजी से बढ़ रही है. समय रहते अगर इस पर विचार नहीं किया गया और अपनी स्थिति को संभालने का प्रयास नहीं हुआ तो गंभीर समस्या पैदा हो सकती है.

सुबह नींद से जगने के बाद घंटों तक बिस्तर पर पड़े रहना और फिर

सो जाना डिप्रेशन का संकेत हो सकता है. इसके साथ ही लेटकर अंधेरे में मोबाइल पर घंटों देखते रहना भी घातक हो सकता है.रात में बिस्तर पर लेटने के बाद संभव जितना हो सके, मोबाइल से दूरी बनाए रखना जरूरी है. विशेष रूप से छोटे बच्चों के लिए तो यह अत्याधिक आवश्यक है.पिछले कुछ वर्षों से मोबाइल को लेकर बच्चों में बढ़ते चिड़चिढ़ेपन को लेकर स्वयं मानसोपचार विशेषज्ञ और बाल रोग विशेषज्ञ भी चिंतित हैं. सुबह नींद से जगने के बाद भी घंटों तक अगर आप बिस्तर पर पड़े रहते हैं तो सावधान हो जाईए, यह डिप्रेशन का संकेत है. अमेरिका के फेयरलेघ डिकिंसिन यूनीवर्सिटी में मनोवैज्ञानिक एलोनर मैकग्लनची का कहना है कि आजकल लोग नींद से उठने के बाद टीवी या मोबाइल पर देखने लगते हैं. यह खतरनाक और डिप्रेशन का कारण बन सकता है. इसके साथ ही सोते समय हम किस तरह से तैयारी करते हैं, इसका भी महत्व रहता है. शेष पेज 2 पर

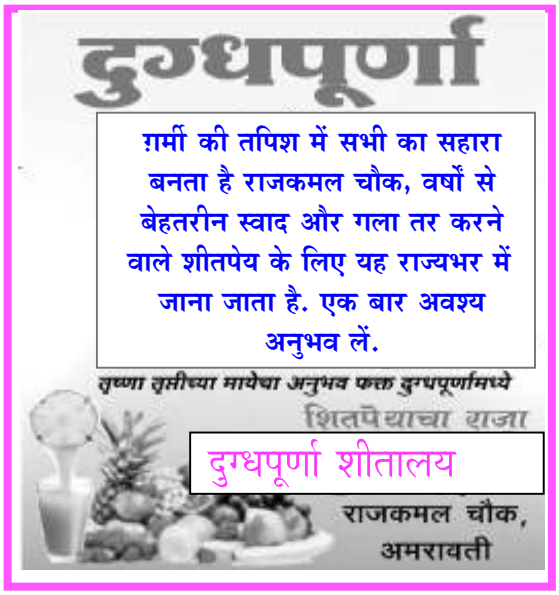

संपादकीय

चौकाने वाले होंगे महाराष्ट्र के नतीजे

लोकसभा चुनाव की घोषणा चुनाव आयोग द्वारा करने के साथ ही राज्य में चुनावी सरगर्मी बढ़ गई है. उद्धव ठाकरे की शिवसेना को बड़ा भाई मानते हुए सीटों का बंटवारा हो गया है. तीन सीटों का मामला उलझा हुआ है, लेकिन इस बार राज्य में चुनावी नतीजा चौकाने वाला हो सकता है. ऐसे में यह जरूरी है कि चुनावी निष्पक्षता के साथ ही अन्य बातों पर गंभीरता से ध्यान देते हुए चुनाव को स्वतंत्र तथा निष्पक्ष रूप से सम्पन्न कराने का प्रयास किया जाना चाहिए. चुनावी आचार संहिता निश्चित तौर पर बेहतरीन है लेकिन इसका अगर ईमानदारी और कड़ाई से पालन किया जाए तो निश्चित तौर पर लोकतंत्र मजबूत और गौरवमयमयी होगा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के लिए 400 पार सीटें और अकेले भारतीय जनता पार्टी के लिए 370 सीटों का लक्ष्य रखा है. दूसरी ओर बीजेपी के विजयी रथ को रोकने के लिए विपक्षी दलों का इंडिया गठबंधन भी रणनीति बनाने में जुटा है.विपक्ष में जिस तरह से एकता का अभाव दिखाई दे रहा है, उसके चलते राजग की संभावना अत्याधिक अभी से दिखाई दे रही है. लेकिन विपक्षी दलों में दिली एकता अगर हो और मिलकर प्रयास करें तो स्थिति बदलने से इंकार नहीं किया जा सकता. हालांकि, चुनाव से पहले ही पीएम मोदी का तीसरा कार्यकाल तय माना जा रहा है. क्योंकि राहुल गांधी को छोड़कर विपक्ष से टक्कर देने वाला फिलहाल कोई नहीं है. वहीं, दूसरी ओर महाराष्ट्र में चुनाव के नतीजे चौंकाने वाले हो सकते हैं.बेशक लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र एक निर्णायक राज्य की भूमिका में रहेगा. यूपी की 80 सीटों के बाद महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा लोकसभा सीटें (48) हैं. इस बार पूरे लोकसभा चुनाव के नतीजों की भविष्यवाणी की जा सकती है. लेकिन महाराष्ट्र में क्या होगा, इसकी भविष्यवाणी नहीं की जा सकती. अमरावती संसदीय सीट तो पूरे देश के लिए ध्यान का केन्द्र बनी है. सांसद नवनीत राणा को लेकर समूचे विपक्ष का ध्यान है., वहीं वे भाजपा से लड़ेंगी या युवा स्वाभिमान पार्टी से इसको लेकर उहापोह की स्थिति है. लेकिन इतना तय है कि अभी तक उनके सामने आने वाले किसी दमदार प्रत्याशी की चर्चा नहीं है, यह उनकी संभावना को बढ़ाने का काम कर सकता है. महाराष्ट्र में अभी जितनी अनिश्चिचता है, उतनी इससे पहले के चुनावों में कभी नहीं देखी गई. महाराष्ट्र के ग्रामीण इलाकों में कहीं जाति फैक्टर चल रहा है. शहरी इलाकों में विकास का मुद्दा चल रहा है. इससे ऐसा पता ही नहीं चलता है कि विकास का मुद्दा ज्यादा असर करेगा या जाति का मुद्दा ज्यादा कारगर साबित होगा.महाराष्ट्र में तीन कारणों की वजह से डन डील नहीं हो सकती. राज्य में जिस तरह से स्थिति है, उससे असमंजस वाला रवैया रहने के बाद भी महाराष्ट्र से चौकाने वाले नतीजों की आशंका जताई जा रही है.यह चुनाव बाद ही पता चलेगा.

ब्रह्मास्त्र का उपयोग सही करना जरूरी

विदर्भ स्वाभिमान
राय बताएं-9423426199/8855019189
www.vidarbhswabhiman.com

देश में चुनावी घोषणा के साथ ही आचार संहिता लागू हो गई है. स्वतंत्र तथा निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेदारी चुनाव आयोग पर है. उम्मीद की जाती है कि देश में मजबूत लोकतंत्र के लिए सही तरीके से और बिना चंदीगढ़ हुए लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने वाले प्रणाली से चुनाव होना चाहिए. सबसे बड़ी जिम्मेदारी लोकतंत्र की मजबूती और अच्छी सरकार चुनने की मतदाताओं पर होती है. इसलिए चुनाव होने के बाद खराबी निकालने की बजाय चुनाव के समय ही समझदारी का परिचय देते हुए ऐसे लोगों को ही अपना प्रतिनिधि बनाने का प्रयास करना चाहिए, जो सचमुच राष्ट्र के प्रति, आपकी समस्याओं के प्रति गहन समझ और उसे हल करने की नीति रखते हों . चुनाव पांच साल में मिला मतदाता को ब्रह्मास्त्र है. जिस तरह ब्रह्मास्त्र का गलत उपयोग विध्वंसकारी होता है, उसी तरह मतदान का गलत उपयोग लोकतंत्र के लिए घातक होता है. ऐसे में यह सभी भारतीयों का दायित्व बनता है कि वे चुनाव को हल्के में न लें और राष्ट्र प्रेम की भावना के साथ ही

सभी वर्गों को साथ में लेकर चलते हुए देश का विकास करने वाले, किसी के साथ भी पक्षपात नहीं करने तथा सभी को एक समान देखने वालें समझदारी प्रत्याशियों को ही चुनाव में विजयी बनाएं.

अप्रैल-मई में लोकसभा की 543 सीटों पर चुनाव होने की संभावना है.अमरावती सहित महाराष्ट्र में भी चुनाव की रणभेरी बज गई है. इधर से उधर,उधर से ईधर का सिलसिला अब चलेगा. जिस पार्टी ने बहुत बड़ा बनाया, टिकट नहीं देने के बाद दूसरी पार्टी में प्रवेश का सिलसिला बढ़ेगा. नीति,तत्व और सिद्धांत तो राजनीति से आऊट हो गए हैं. 2024 लोकसभा चुनाव में 97 करोड़ मतदाता मतदान के पात्र होंगे. 18-29 आयुवर्ग के 2.63 करोड़ नए मतदाता नई सरकार के लिए मतदान करेंगे. नए महिला वोटर्स की संख्या 1.41 करोड़ है, जबकि नए पुरुष वोटर 1.22 करोड़ हैं. इस बार वोटर लिस्ट से 1.65 करोड़ मतदाताओं को हटाया गया है. 2019 का लोकसभा चुनाव 7 चरणों में पूरा हुआ था, जिसमें 2019 में बीजेपी की अगुवाई वाले चुनाव में 353 सीटों पर जीत मिली थी.चुनाव आयोग पर देश में निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेदारी होती है. प्रत्येक चुनाव में, यह राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से चुनाव कराने के लिए एक आदर्श आचार संहिता जारी कर चुका है. उसका पालन होना चाहिए.तभी लोकतंत्र मजबूत होगा.

डिप्रेशन बना रहा बच्चों को निरस

विदर्भ स्वाभिमान जागरण अभियान

पेज 1 से जारी-वर्तमान में आधी से अधिक बीमारियों का कारण पारिवारिक तनाव होता जा रहा है. स्वास्थ्य को लेकर लोगों में जागरूकता आ रही है लेकिन इससे भी अधिक लोगों में जागरूकता के साथ समझदारी के अभाव में स्वास्थ्य संबंधी परेशानी हो रही है. बड़ों के साथ ही बच्चों में डिप्रेशन की यह समस्या भविष्य में खतरनाक स्थिति पैदा हो सकती है. इसलिए समय रहते बच्चों से मोबाइल प्रेम दूर करना जरूरी है.

बच्चे बड़े या बुजुर्ग आजकल स्मार्टफोन हर किसी की जिंदगी का एक अहम हिस्सा बन चुका है. लेकिन बच्चों में इसकी एडिक्शन देखने को मिल रही है. इसकी एक वजह कोरोना महामारी भी है क्योंकि जब लॉकडाउन हुआ तब ऑनलाइन क्लासेज के लिए बच्चों ने मोबाइल और लैपटॉप का ही सहारा लिया. लेकिन अब इसकी जरूरत खत्म होने के बाद भी इसका इस्तेमाल रुका नहीं है. रिपोर्ट्स के मुताबिक लगभग 23 फ़ीसदी से ज्यादा बच्चे सोने से पहले बिस्तर पर स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते हैं.इससे उनके मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ रहा है. कुछ रिपोर्ट तो यह भी कहती है कि स्मार्टफोन के ही इस्तेमाल के चलते बच्चे डिप्रेशन का शिकार हो रहे हैं.विदर्भ स्वाभिमान द्वारा इस विषय को गंभीरता से लेते हुए जब पड़ताल की गई तो चौकाने वाली बात सामने आयी. स्मार्टफोन और डिप्रेशन के बीच क्या कनेक्शन है और किस तरह से मां-बाप की लापरवाही की वजह से बच्चों में इसका इस्तेमाल कुछ ज्यादा बढ़ गया है.

जरूरत से ज्यादा स्मार्टफोन का इस्तेमाल करने के चलते बच्चों का सामाजिक अलगाव हो जाता है.बच्चे मोबाइल में ही इतना खोए रहते हैं कि उन्हें अपने आसपास में होने वाले किसी भी घटना से कोई फर्क नहीं पड़ता है. कई बार देखा गया है कि घर में कोई गेस्ट भी आते हैं तो बच्चे उनसे मिलने जुलने की बजाए फोन में लगे रहते हैं. इसके अलावा फोन इस्तेमाल करने के चलते स्लीपिंग पैटर्न भी खराब हो जाता है.

नींद नहीं होने से चिड़चिड़ापन

बच्चों को 8 घंटे की प्रॉपर नींद नहीं मिल पाती है. इसकी वजह से चिड़चिड़ापन फोकस में कमी बनी रहती है. वहीं स्मार्टफोन के इस्तेमाल से बच्चे बाहर जाकर खेलना कूदना बंद कर देते हैं यानी कि शारीरिक गतिविधि कम हो जाती है. ब्रेन का विकास ठीक से नहीं हो पाता है, इसके अलावा आपका बच्चा चार लोगों के बीच में बातचीत करने में हिचकिचाहट महसूस करने लगता है और ये सारी समस्याएं मिलकर डिप्रेशन के लक्षणों को बढ़ावा देती है.

माता-पिता भी जिम्मेदार

अक्सर मां-बाप अपने बच्चों को खुद ही स्मार्टफोन पकड़ाते हैं और उन्हें ये देखकर खुशी होती है कि उनका बच्चा स्मार्टफोन में सब कुछ कर लेता है जो एक बड़ा आदमी नहीं कर सकता. उन्हें लगता है कि बच्चा कितना स्मार्ट है. लेकिन छोटी सी गलती आगे जाकर यह बुरी आदत बन जाती है.कई बार मां-बाप का यह भी कहना होता है कि अगर फटाफट स्कूल का काम कर लोगे तो मोबाइल मिल जाएगा या फिर खाना खाओगे तो मोबाइल मिल जाएगा. ऐसी कुछ शर्तें बच्चों के सामने अक्सर रखी जाती है इसके लालच में बच्चा फटाफट काम तो फटाफट निपटा लेता है लेकिन उसका ध्यान मोबाइल पर ही लगा रहता है. कई बार माता-पिता खुद के ऑफिस वर्क में इतने बिजी रहते हैं कि बच्चों को टाइम ही नहीं दे पाते और बच्चों से पीछा छुड़वाने के लिए उन्हें स्मार्टफोन थमा देते हैं. इसके अलावा माता-पिता खुद ही मोबाइल फोन में लगे रहते हैं तो ऐसे में आपके बच्चे को लगता है कि इसका इस्तेमाल सही है. यह स्थिति

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com

संवेदनशील,सेवाभावी बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. जयंत पांढरीकर

18 मार्च को जन्मदिन पर विशेष

अमरावती- जिले ही नहीं तो समूचे राज्य में बाल रोग विशेषज्ञ संगठन का नेतृत्व करने के साथ ही अंबादेवी ट्रस्ट हास्पिटल सहित अनगिनत संगठनों से जुड़कर सामाजिक कामों में अग्रणी डॉ. जयंतराव पांढरीकर आदर्श इन्सान हैं. सामाजिक दायित्व के मामले में वे जितने समर्पित हैं, उतने ही मानवता की सेवा के मामले में भी समर्पित रहते हैं. उनका मानना है कि आदर्श संस्कार और मानवता का पालन हर व्यक्ति द्वारा अगर सही तरीके से किया जाए तो दुनिया ही स्वर्ग नजर आने लगेगी. 18 मार्च को उनके जन्मदिन पर करोड़ों मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

आज के जमाने में करने का कम लेकिन दिखाने का अधिक रिवाज है. लेकिन डॉ. पांढरीकर इसके अपवाद हैं. उनका मानना है कि जो व्यक्ति मानवता की सेवा में जितना कर सकता है, एक इन्सान के रूप में उसे करने का प्रयास करना चाहिए. बिना किसी स्वार्थ के किया गया कोई भी काम निश्चित ही बेहतरीन नतीता देता है. जिंदगी बहुत छोटी है, ऐसे में हमारे काम ही उसे बढ़ाने का काम करते हैं.

माता-पिता की सेवा और आदर्श आचार-विचार और संस्कारों को वे जहां अत्याधिक महत्व देते हैं, वहीं उनका कहना है कि बचपन से आज संस्कारों की कमी बच्चों को माता-पिता के प्रति सम्मान तथा आत्मीयता से दूर कर रही है. भारतीय संस्कृति में वृद्धाश्रम संस्कृति को ही गलत मानने वाले डॉ. पांढरीकर का कहना है कि इन्सान तेजी से बढ़ रहे हैं लेकिन इंसानियत का घटना सही नहीं है. आदर्श संस्कार जीवन में कभी पीछे नहीं आने देता है. महाराष्ट्र राज्य बाल रोग विशेषज्ञ संगठन के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जयंत पांढरीकर हरदिल अजीज व्यक्तित्व के धनी इंसान हैं. उनके मुताबिक अपने क्षेत्र के माध्यम से समाज की भलाई करने का कार्य हर व्यक्ति को करना चाहिए. किये गए नेक कामों से मिलने वाला संतोष बेहतरीन रहता है.डॉ. जयंत पांढरीकर का जन्म 18 मार्च 1966 को हुआ. बचपन से ही वे मेधावी छात्र के रूप में गिने जाते थे. आरंभ से ही शिक्षा के मामले में गंभीर तथा मेधावी छात्र रहने के कारण शिक्षकों के भी लाड़ले थे. प्राथमिक, माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक शिक्षा के बाद उन्होंने एमबीबीएस, पीजीडीएपी की डिग्री हासिल की. शहर ही नहीं तो राज्यस्तर के सुख्यात बाल रोग विशेषज्ञ के रूप में पहचाने जाते हैं.अमरावती शहर को लेकर उनके मन में अपार गर्व रहता है. वे कहते हैं कि अंबानगरी ने अपार प्रेम दिया है, इसे लौटाने का प्रयास वे करते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क,अमरावती.

माता-पिता होते हैं जिंदा देव, सम्मान करें

अमरावती - ज़ीवन में माता-पिता से बड़ा त्यागी कोई नहीं हो सकता है. यही कारण है कि उन्हें भगवान का प्रतिनिधि माना जाता है. भगवान हर स्थान पर नहीं पहुंच सकते हैं, इसलिए वे अपने रूप में माता-पिता को भेज देते हैं. माता-पिता जहां त्याग और समर्पण का सर्वोच्च होते हैं, वहीं माता-पिता ही जीवन में सदैव अपने से अधिक कामयाबी अपने बच्चों कीचाहते हैं. इसलिए जितना संभव हो सके, माता-पिता की आज्ञा पालन और बचपन में जिस तरहसे उन्हों ने आपको संवारा है, उसी तरह उनके बुढ़ापे को खुशियों से भरने का प्रयास करना चाहिए. ऐसा करने पर जीवन में आपको कहीं कोई कमी नहीं रहेगा. इस आशय का विश्वास डॉ. जयंतराव पांढरीकर ने जताया.

डॉ. जयंत पांढरीकर

शुभेच्छुक
डॉ. जयंत पांढरीकर मित्र परिवार, विदर्भ स्वाभिमान परिवार, अमरावती

सदस्यता पंजीयन शुरू

विदर्भ स्वाभिमान नारी युवा मंच की सदस्यता पंजीयन का अभियान आरंभ हो गया है. आप भी फार्म भरकर सदस्य बनकर अपनी खुशियों को बढ़ाने का काम कर सकती हैं. सदस्य बनने के लिए कार्यालय में संपर्क करें.

मो. 8855019189
9518528233

जीवन में सदैव,नेक अच्छा सोचना चाहिए-राजेश बसंतवानी

अमरावती - ज़ीवन में मेहनत, समर्पण को सफलता की कुंजी मानने वाले जीवन में कभी पीछे नहीं होते हैं. वे अपनी मेहनत और लगन के बलबूते सदैव आगे बढ़ते जाते हैं. इसलिए सभी को अपने क्षेत्र में मेहनत के बलबूते कामयाबी हासिलि करने का प्रयास करना चाहिए. जीवन में मेहनत, लगन और काम के प्रति समर्पण के साथ ही मीठी जुबान से ही कामयाबी मिलती है. इसका उदाहरण बचपन से ही संघर्ष से सदैव दो-दो हाथ करने वाला राजेश बसंतवानी है. उसके मुताबिक संघर्ष से प्राप्त कामयाबी का आनंद ही अलग होता है. कई बार अपनों द्वारा ही परेशानी के बाद भी कभी बुरा नहीं मानने का बड़ा दिल उसके पास ही है. मेहनत और लगन में जहां राजेश का कोई सानी नहीं है, वहीं दूसरी ओर सदैव अच्छी सोच के साथ काम करता है. जिन्होंने स्वयं की मेहनत के कारण न केवल स्वयं को बल्कि कई लोगों को रोजगार दिया है.राजेश बसंतवानी के मुताबिक आज युवा पीढ़ी अत्याधिक शार्प है लेकिन आत्मीयता और मेहनत से कन्नी काटने के कारण परेशान हैं. युवाओं में तेजी से व्यसन बढ़ रहा है. इससे युवाओं की ताकत का सही उपयोग नहीं हो पा रहा है. राजेश ने काफी संघर्ष किया है. लेकिन मधुर स्वभाव, काम के प्रति समर्पण जैसी खूबियों के कारण आज वह सदैव व्यस्त रहते हैं. अपने काम में व्यस्त रहने के साथ ही ग्राहकों की समस्याओं को हल करने के लिए सदैव अग्रणी रहते हैं. उनके मुताबिक जीवन में जब भी निराशा हो, उन बच्चों के बारे में सोचना, जिन्हें दिखता नहीं है लेकिन वे अपने क्षेत्र में महारत हासिल करते हैं. अंत में वह कहता है लाइफ इज स्ट्रगल, फाइट ईट.

बचपन से ही यारों का दिलदार यार राजेश बसंतवानी जीवन में कई उतारचढ़ाव देखा है. लेकिन स्थितियों से कभी हार नहीं मानी. वह कहता है कि जिस तरह से लहरों से डरकर नैया पार नहीं होती, उसी तरह कोशिश करने वाले की हार नहीं होती है. जीवन में रात-दिन को सामने रखना चाहिए. रात के बाद दिन होता है, उसी तरह दुख के बाद सुख इसी तरह आता है. इसलिए सदैव अच्छी सोच के साथ प्रयास करते रहना चाहिए.

विदर्भ स्वाभिमान

वार्ड संवाददाता चाहिए

अमरावती महानगर पालिका क्षेत्र में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है. वार्ड की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का फैसला विदर्भ स्वाभिमान ने लिया है. ऐसे में वार्ड स्तर पर संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. समस्या की समझ के साथ ही समाजसेवा में रूचि रखने वाले युवा संपर्क कर सकते हैं. अपने क्षेत्र की समस्याएं आप भी जागरूक नागरिक के रूप में देकर प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं. अपने क्षेत्र में मार्केटिंग के साथ ही विज्ञापन व्यवसाय के माध्यम से बेहतरीन कमाई भी कर सकते हैं. मेहनत करने की तैयारी वाले ही तत्काल संपर्क करें

संपर्क
छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती
मो. 9423426199/8855019189

पार्वती नगर से लोणटेक मार्ग बना है खतरनाक

अमरावती -स्थानीय महात्मा फुले महाविद्यालय के सामने पार्वती नगर से लोणटेक के माध्यम से भातकुली जाने वाली सड़क तक का कच्चा रास्ता लोगों के लिए खतरनाक बन गया है. रास्ते की बद्हाली के कारण यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है. इससे रेलवे गेटड से लेकर मुख्य मार्ग का रास्ता तत्काल सुधारने की मांग हो रही है.

जुड़वा शहर रचेगा शिव महापुराणकथा का इतिहास

प्रकाश जयस्वाल बंधुओं की पहल अन्य सुपुत्रों को देगी सदैव प्रेरणा, सर्वत्र सराहना

विदर्भ स्वाभिमान

विशेष संस्कार पहल

इन्सानियत को बढ़ाते रहें,सब ठीक होगा

श्री विठ्ठलेश सेवा समिति के प्रमुख और अंतराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता पंडित प्रदीप मिश्रा के मुताबिक जीवन ही नहीं तो कई पीढ़ियों तक संस्कार का महत्व रहता है.आज मानव तो तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन मानवता तेजी से घट रही है. यही कारण है कि सर्वत्र अनाचार वाली स्थिति है. ऐसे में यह जरूरी है कि हम सभी कुछ न कुछ ऐसा करें, जिससे जीवन में खुद भी खुश रहें और संपर्क में आने वाले लोगों को भी खुश रखने का प्रयास करें.ऐसे में कोशिश करना चाहिए कि हम सदैव नेकी के साथ जिएंगे. जुड़वा नगरी में होने वाली शिव महापुराण कथा निश्चित तौर पर जुड़वा नगरी की शान बढ़ाने के साथ ही जयस्वाल बंधुओं के जीवन में अहम काम करेगी.

संभागभर से शामिल होंगे शिवभक्त

अचलपुर- अमरावती में पंडित प्रदीप मिश्रा की शिव महापुराण कथा के बाद परतवाडा में सुख्यात व्यवसायी जयस्वाल बंधुओं द्वारा 5 से 11 मई तक आयोजित शिव महापुराण कथा भी इतिहास रचने और यह कथा सुनने के लिए देशभर से भक्त उमड़ने की संभावना है. इसके मद्देनजर तैयारियों को व्यापक रूप दिया जा रहा है. इस फैसले के लिए जयस्वाल बंधुओं की जहां सराहना की जा रही है, वहीं समस्त जयस्वाल समाज भी इस पुण्य काम में हाथ बंटाने का प्रयास कर रहा है. जुड़वा शहर में भव्य पैमाने पर शिव महापुराण होने और इसमें संभाग से लाखों भक्त उमड़ने की संभावना जताई जा रही है. भवय कथा मंडप के साथ ही भक्तों के लिए यहां पर विभिन्न तैयारियां की जा रही हैं. कथा आयोजकों के साथ ही प्रशासन द्वारा भी सहयोग किया जा रहा है. भक्तों के बैठने की व्यवस्था से लेकर गाड़ीयों की पार्किंग, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात व्यवस्था सहित सभी तैयारियों पर विस्तार से विचार किया जा रहा है. इसके लिए समय-समय पर यहां पर बैठकें भी हो रही हैं. प्रहार प्रमुख विधायक बच्चू कडू स्वयं इस मामले में अत्याधिक सक्रिय दिखाई दे रहे हैं. उनके कारण कथा जहां सफल रहेगी, वहीं प्रशासन द्वारा भी हरसंभव सहयोग इस काम में किया जा रहा है. 29 समितियां का गठन करते हुए विभिन्न जिम्मेदारियां भी तय की गई. सभी पर जिम्मेदारी तय करने के साथ ही आयोजन स्थल की तैयारियों में भी प्रयास किया जाने लगा है. विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए प्रकाश जयस्वाल ने बताया कि सभी के सहयोग से यह कथा अभूतपूर्व होने का उन्हें पूरा विश्वास है.

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

भगवान ऐसा परिवार दे

आज के दौर में विभिन्न परेशानियों का कारण अपनों का तनाव होता जा रहा है. हम कल्पना करें कि विवाह तथा हम आपके हैं कौन जैसी फिल्मों के परिवार वास्तविक जीवन में अगर उतर आएं तो यह कितना बेहतरीन होगा. इतना ही नहीं तो आधी से ज्यादा बीमारियों यूंही खत्म हो जाएगा. आमतौर पर तनाव ही व्यक्ति के स्वास्थ्य का सबसे बड़ा दुश्मन होता है. ऐसे में परिवार में बढ़ता स्वार्थ और अहंकार के कारण रिश्तों में दरार ही परिवार की खुशियों में सबसे बड़ी बाधा है. परिवार में जब सभी सदस्यों में मेल-मिलाप होता है, समझदारी होती है तो दुनिया की ऐसी कोईसमस्या नहीं हो सकती है, जिससे परिवार निपट नहीं सके. लेकिन आजकल अपनों से ही अधिक समस्या ने सभी को त्रस्त कर दिया है. खुश रहने और खुश रखने की बजाय जलन वाली मानसिकता तेजी से बढ़कर हमारे ही स्वास्थ्य का दुश्मन बन रही है.

विदर्भ स्वाभिमान

विदर्भ स्वाभिमान

माता-पिता हमारे जीवन की ऐसी एटीएम होते हैं जिनका प्रेम, आत्मीयता और अपनापन कभी भी खत्म नहीं होता है. उनके जैसा त्यागी हो ही नहीं सकता है. ऐसे में वे जब तक जिंदा हैं, उनकी सेवा करने के लिए समर्पित रहें. महिलाएं ही जब मां को समझ लेंगी तो कभी किसी माता-पिता को तकलीफ नहीं होगी.

जरूरी नम्बर टोल फ्री

विद्युत सेवा	1912
पुलिस सेवा	112
अग्नि सेवा	101
एम्बुलेंस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सीएम सहायता लाइन	1076
क्राइम सहायता	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444

महादेवनगर में आज भव्य महाप्रसाद, हजारों उमड़ेंगे

पूज्य अर्पिता मानस भारती क़ी कथा सुनने हजारों भक्त उमड़े, काठाळे पिता-पुत्र की पहल को सभी ने दिया जीभर साथ

विदर्भ स्वाभिमान,13 मार्च

अमरावती- स्थानीय महादेव नगर स्थित महादेव मंदिर में 13 मार्च से 21 तक श्रीराम कथा क़ा लाभ हजारों भक्तों ने उठाया. जहां पूज्य अर्पिता मानस भारती ने श्रीराम के चरित्र का गुणगान किया, वहीं प्रभु श्रीराम के चरित्र ही जीवन में तारने वाले रहने की बात कही. उनके मुताबिक जीवन प्रभु का अनमोल उपहार है, अपने पारमार्थिक कामों से इसे हमें संवारना चाहिए. जीवन जीने का काम पशु भी करते हैं लेकिन इन्सान का जीवन भाग्य से मिलता है, इसे संवारने काअधिकार उसे मिलता है. वह बेनाम आता है लेकिन अपने कामों से ही वह स्वयं का नाम जाते समय दुनिया में लिखवाकर जाता है. कर्म अच्छा है तो जीवन में निश्चित ही प्रभु हर जगह आपके साथ खड़े हैं. लेकिन बुरे कर्म का परिणाम भुगतना भी पड़ता है. ऐसे में जीवन में हमें सदैव यह भाव रखना चाहिए कि अगर हम किसी का अच्छा नहीं कर सकते हैं तो बुरा करने का हमें कतई अधिकार नहीं है. कथा का समापन गुरूवार 21 मार्च को गोपाल काला कीर्तन और

महाप्रसाद से होगा. गोपाल काला कीर्तन गजानन महाराज वायकर करेंगे. युवा गजानन महाराज वायकर का धार्मिक के साथ ही सामाजिक बुराइयों पर अधिक कटाक्ष रहता है. इस माध्यम से वे बेहतरीन संदेश देने का काम करते हैं. अभी तक दिल्ली सहित देश के कई हिस्सों में अंबाविहार निवासी गजानन महाराज वायकर कीकथा हो चुकी है. कथा के दौरान विभिन्न सामाजिक विषयों पर विचार रखते हैं. उनके मुताबिक किसी को दुःख देने से बड़ा पाप और किसी को खुश रखने से बड़ा पुण्य किसी भी धर्म में नहीं है. साथ ही इन्सानियत पर उनका विशेष जोर रहता है.कथा प्रवक्ता नागपुर निवासी पूज्य अर्पिता मानस भारती जहां प्रभु श्रीराम के मानव जीवन में अवतार की खूबियों से भक्तों को अवगत करा रही हैं, वहीं दूसरी ओर प्रभु श्रीराम के जीवन आदर्श का अनुकरण जीवन में करने का आग्रह सभी से कर रही हैं. उनके मुताबिक प्रभु श्रीराम का आदर्श लेने से जीवन ही नहीं तरता है बल्कि समाज, परिवार और राष्ट्र भी तर जाता है. क़था को लेकरर क्षेत्रवासियों में जहां उत्साह है, वहीं इसकी सफलार्थ लगातार प्रयास कर रहे हैं.

महादेव नगर का प्रसंग पूरी तरह से श्रीराममय हो गया है. कथा सुनने के लिए क्षेत्र ही नहीं बल्कि आसपास के क्षेत्रों से भी हजारों की संख्या में भाविक उमड़ रहे हैं. और हजारों भक्तों के अस्थास्थल के रूप में सुख्यात महादेव नगर के मंदिर में महादेवनगर सुधार समिति संकटमोचन हनुमान मंदिर समिति एंव महिला युवाओं की टीम व्दारा के संचालक नाना काठाळे गौरव काठाळे एवं आयोजन समिति के पदधिकारियों ने बताया कि 13 मार्च से श्रीराम अमृत कथा क़ा हजारों भक्तों ने लाभ लिया. उन्हों ने कथा प्रवक्ता के साथ ही श्रोताओं के प्रति कृतज्ञता जताई. साथ ही गुरूवार के महाप्रसाद का लाभ लेने का आग्रह किया. कथा में प्रकाश बुटले के साथ ही क्षेत्र केक युवक जी-जान से प्रयास कर रहे हैं. महिलाओं का साथ भी सभी को मिलने से कार्यक्रम कोक अपार सफलता प्राप्त हो रही है.

शुभेच्छुक- विदर्भ स्वाभिमान नारी युवा मंच, अमरावती.

खुशियों की भंडार होती है जीवनसंगिनी

24 वीं शादी की सालगिरह पर विशेष

जीवन में जितन पल खुशियों के मिल सकें, हर व्यक्ति को लेने का प्रयास करना चाहिए. खुशियों का भंडार हमारे माता-पिता के बाद दूसरा और कोई रहता है तो वह है सात फेरे लेने वाली जीवनसंगिनी. समय के साथ कुछ विवाद हो सकता है. लेकिन मैं स्वयं को भाग्यशाली मानता हूं कि मेरी पत्नी का अल्हड़पन, बच्चों जैसा जिद्दी स्वभाव लेकिन इसके बाद भी हर सुख, हर दुःख में साथ खड़े रहने और निःस्वार्थ भाव से प्रेम न्यौछावर करने वाला और जीवन में किसी को भी दुःखी नहीं करने वाली सोच के कारण ही यह लेख लिखने के लिए मजबूर हुआ हूं. जीवन में शादी को लेकर लोगों की सोच होती है जो खाए वह भी पछताए और जो न खाए वह भी पछताए. लेकिन मैं सौभाग्यशाली हूं कि मुझे कभी भी इसका पता नहीं चला. गरीबी के दिनों से लेकर परिवार की स्थिति सुधरने और आज जीवन कहीं न कहीं स्थिर होने तक के सफर में सौ. वीणा ने जिस तरह से साथ दिया, जिस तरह से कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रही और बिना किसी तरह के प्रपंच अथवा स्वार्थ के परिवार के लिए भी खड़ी रही, वह निश्चित तौर पर मेरे जीवन का सुनहरा पल है. 20 मार्च का वह दिन मैं शायद ही कभी भूल सकूं, जिस दिन पत्रकारिता में मेरे गुरू और प्रतिदिन अखबार के संपादक नानक आहूजा और भाभी पूनम आहूजा की उपस्थिती में कोर्ट मैरेज हुआ और 21 मार्च को बाकायदा संस्कारों के साथ विवाह हुआ. तब से लेकर आज तक भी आहूजा परिवार विशेष रूप से नानकभैया के बारे में सदैव सम्मान ही रहा है. प्रभु करें, यह सम्मान सदैव बढ़ता ही रहे. स्वार्थ वाले जमाने में बहुत कम रिश्ते ऐसे होते हैं. जो सदैव याद रहते हैं. सौ. वीणा ने हर स्थिति में जहां साथ दिया, वहीं कहते हैं कि व्यक्ति की प्रगति में गृहलक्ष्मी की भूमिका होती है. आज भी नोंक-झोंक होती है, एक दिन बात नहीं करते हैं लेकिन दूसरे दिन वही प्रेम, वहीं अपनापन रहता है. प्रेम तो त्याग का नाम है, सौ. वीणा ने इसका सदैव तथा हर मोड़ पर परिचय कराया है. शादी के 24 साल हुए हैं, ऐसा मुझे कभी लगता ही नहीं है. मुझे लगता है जैसे वह कल ही मेरी जिंदगी को संवारने और खुशियों से सराबोर करने के लिए आयी है.आज दोनों बेटियां भी हमारी खुशियों को बढ़ा रही हैं. सौभाग्यशाली हूं मित्र परिवार भी जो जीवन में मिले,जब तक साथ रहे, खुशियों का माध्यम बने. प्रभु से यही कामना है कि बगैर स्वार्थ खुशियां बांटने का काम सदैव करते रहूं. शादी की यह खुशी गोविंदा के चरणों में समर्पित.

साहित्य

वृक्ष और वसंत

वृक्ष
सदा होश में रहता है
वह नहीं भूलता कभी
अपने भीतर की
हजारों-हजार वृक्ष के
निर्माण की
अपार संभावनाओं को।
वृक्ष
कभी भी
इस बात पर
व्यथित नहीं होता कि
उसने अपने
कितने पत्ते और
पुष्प खो दिए।
वृक्ष तो सदैव ही
शोक का उत्सव मनाता
नए पत्तों और फूलों के
सृजन में व्यस्त रहता है,
तभी तो सृष्टि में
पतझर के बाद
वसंत आता है।
हमारे जीवन में
कितना कुछ खो गया,
इस पीड़ा को भूल कर,
हम क्या नया कर सकते हैं,
इसी में हमारे जीवन की
उपयोगिता है और सार्थकता भी।
नवनिर्माण ही तो चैतन्य है
जो जीवन में
मधुमास लाता है,
इसीलिए वसंत को
ऋतुओं की जननी
और जवानी को
जीवन का वसंत
कहा जाता है।

– पवन नथनजी जायसवाल
अमरावती, 9421788630

ख़ुशियों का त्यौहार होली और रंगपंचमी

होली भारत के सबसे जीवंत और हर्षोल्लास भरे त्योहारों में से एक है. यह वसंत ऋतु के आगमन, बुराई पर अच्छाई की जीत, और प्रेम व उल्लास के प्रसार का प्रतीक है. होली के रंगों में भी गहरा महत्व निहित है. भारतीय संस्कृति में होली तथा रंगपंचमी को खुशियों का पर्व कहा जाता है. यही कारण है कि दोनों ही त्यौहार भारतीय पूरे विश्व में पूरे उत्साह के साथ मनाते हैं. इतना ही नहीं तो इस दौरान राजी-नाराजी भी दूर हो जाता है. लेकिन दुर्भाग्यवश अति उत्साह में कई बार लोगों द्वारा इस पर्व को बट्टा लगाने का काम भी किया जाता है.

होली के रंग और उनका महत्व

लालः प्रेम, उर्जा, और उत्साह का प्रतीक,हराः प्रकृति, नई शुरुआत, और समृद्धि का प्रतीक

पीलाः आनंद, ज्ञान, और सकारात्मकता का प्रतीक

नीलाः शांति, आस्था, और आत्मविश्वास का प्रतीक

गुलाबीः स्नेह, करुणा और मधुर संबंधों का प्रतीक

होली के रंगों से आंखों को होने वाले नुकसान हर्षोल्लास के इस त्योहार में सावधानी बरतना बेहद आवश्यक है. दुर्भाग्य से, होली के रंगों में अक्सर हानिकारक रसायन और पदार्थ हो सकते हैं, जो आंखों के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकते

भारतीय संस्कृति है खुशियों की खान

हैं. इनमें शामिल हैं. खुशियां मनाने के साथ ही उत्साह का पर्व है. लेकिन इसके साथ ही कई लोगों की लापरवाही स्वास्थ्य के लिए तकलीफ का कारण बन जाती है. प्राकृतिक रंगों से ही रंग खेलना चाहिए. वर्तमान कई कलर आंखों तथा स्वास्थ्य के साथ स्कीन के लिए भी खतरनाक होते हैं. ऐसे रंगों से बचने का भी प्रयास करना चाहिए. साथ ही इस पर्व पर युवाओं में अति उत्साह के कारण दुर्घटनाओं में जान तक चली जाती है. ऐसा उत्साह भी नहीं होना चाहिए. कुछ रंगों के कारण आँखों में जलन और चुभन होती है. ऐसे रंगों का उपयोग नहीं करना चाहिए, जिससे किसी को तकलीफ हो. साथ ही लाली और सूजन,खुजली और बेचैनी की शिकायत भी कुछ रंगों के कारण होती है. यह खुशियों के लिए बाधक बन सकती है. रंग खेलते समय इसका भी विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए. संक्रमण का खतरा, गंभीर मामलों में दृष्टि को हानि,होली के रंगों से आंखों की सुरक्षा के उपाय किया जाना चाहिए. खुशियां मनाते समय वह हम पर भी भारी नहीं गिरें, इसका भी पूरा ध्यान रखने का प्रयास किया जाना चाहिए. रंग लगाते समय आंखों की सुरक्षा के लिए चष्मे का प्रयोग करना चाहिए. आंख में रंग जाने के बाद कई मामले में अत्याधिक गंभीर स्थिति पैदा हो जाती है. से में इससे बचने के लिए होली के मौके पर स्वयं की शारीरिक सुरक्षा पर भी ध्यान देते हुए खुशियां मनाने का प्रयास करना चाहिए.

चश्मे का प्रयोगः होली खेलते समय सुरक्षात्मक चश्मे पहनना आंखों में रंग जाने से रोकने का सबसे कारगर तरीका है.आंखों को मलने से बचें: यदि रंग आंखों में चला जाए, तो उन्हें रगड़ने से बचें. यह जलन और नुकसान को बढ़ा सकता है.आंखों को पानी से धोनाः यदि रंग आंखों के संपर्क में आ जाए, तो तुरंत उन्हें साफ पानी से अच्छी तरह धो लें.चिकित्सकीय सहायताः यदि जलन या दर्द बना रहे, या दृष्टि संबंधी समस्या हो, तो तुरंत नेत्र चिकित्सक से संपर्क करें.

होली खुशी और उल्लास का त्योहार है. रंगों के सुरक्षित और प्राकृतिक रूपों का चयन करके और आवश्यक सावधानी बरत कर, आप अपनी आंखों की रक्षा कर सकते हैं और इस जीवंत त्योहार का पूरा आनंद उठा सकते हैं.आइए एक सुरक्षित और रंगीन होली मनाएं. दोनों ही पर्व पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं.

द्वारकाप्रसाद व्यास,
संचालक, बालाजी कैटरिंग,अमरावती.

खुशियों के हर प्रकार के रंग

उपाध्याय ड्रायफ्रूटस एन्ड फुड के संग

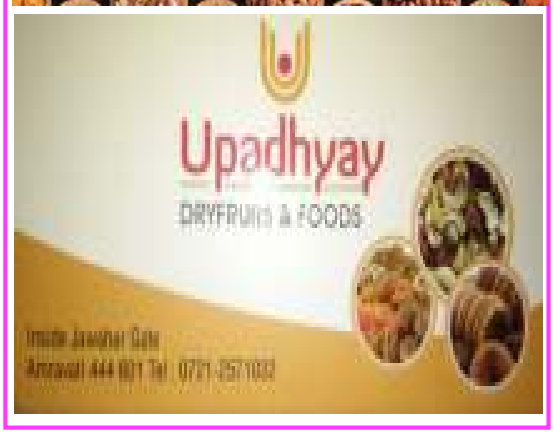

संवाददाता चाहिए

अमरावती ही नहीं तो समूचे संभाग में आचार-विचार-आदर्श संस्कारों को बढ़ावा देने वाले हिंदी साप्ताहिक के रूप में पाठकों का प्यार पाने वाले विदर्भ स्वाभिमान को जिले की अचलपुर, चिखलदरा, चांदुर बाजार,वरूड़ में संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. सामाजिक दायित्व को महत्व देने वाले इच्छुक युवक-युवतियां संपर्क कर सकते हैं. आवेदन के साथ पासपोर्ट फोटो जरूरी है. इच्छुक अपना आवेदन हमें इस पते पर भेज सकते हैं. प्राप्त आवेदनों की जांच करने के बाद फैसला लिया जाएगा. सामाजिक सरोकार रखने वाले ही संपर्क करें.

हमारा पता

विदर्भ स्वाभिमान अखबार

छाया कॉलोनी, अकोली रोड, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, अमरावती.
मो. 9423426199/8208407139

राज्यपाल ने देखी आर्टिकल 370 फिल्म

रांची- झारखंड की राजधानी स्थित पीजेपी सिनेमाघर में झारखंड के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन ने हाल में रिलीज हुई फिल्म आर्टिकल 370 देखी. पूरे परिवार के साथ फिल्म देखने पहुंचे राज्यपाल ने कहा कि इसमें देशभक्ति है. उन्होंने कहा कि हम सभी भारतीय हैं और सभी बराबर हैं. तमिल किसी और से बेहतर नहीं, कोई कश्मीरी किसी और से बेहतर है.

राज्यपाल ने कहा कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक सभी एक हैं. आर्टिकल 370 कश्मीर को हमेशा से बाकी देश से अलग करता था. आर्टिकल 370 के हटने के बाद कश्मीर में विकास का बाहर वातावरण तैयार हुआ, पर्यटन का विकास हुआ, शिक्षा का बाहर विकास हुआ और भविष्य में कश्मीर देश का एक धनी राज्य बनकर उभरेगा.

राज्यपाल ने कहा कि सभी लोगों को यह फिल्म देखना चाहिए. वहीं बाकी राज्यों में इसे टैक्स फ्री किए जाने के कारण झारखंड में भी टैक्स फ्री करना चाहिए पर पूछे गए सवाल पर राज्यपाल कहा कि ये झारखंड सरकार विषय है, पर देशभक्ति वाली फिल्में को टैक्स फ्री करना चाहिए. उनके मुताबिक देशभक्ति की भावना बढ़ाने वाली ऐसी फिल्मों का निर्माण निश्चित तौर पर होना चाहिए.

हर घर में हो यह किताब

माता-पिता की उपेक्षा करने वाले घर में कभी शांति, सम्पन्नता नहीं रह सकती है. यदि रही भी तो आत्मिक सुकून बिल्कुल नहीं रहता है. आदर्श विचार जीवन में खुशी का केन्द्र रहते हैं. ऐसे में माता-पिता की सेवा के महत्व, उससे होने वाले चमत्कार, माता-पिता की सेवा नहीं करने के परिणाम को दिखाने का प्रयास इस किताब में किया गया है. बच्चों में बेहतरीन संस्कार के लिए यह जरूरी है.संस्कार का जीवन में कितना महत्व है, इस पर किताब में प्रकाश डाला गया है. प्राप्ती के लिए संपर्क करें. कीमत केवल 125 रूपए. जिस घर में माता-पिता हंसते हैं, भगवान वहीं पर बसते हैं.आजमाकर देखें.

मो. 9423426199/8855019189

ईडी के खिलाफ केजरीवाल हाईकोर्ट में

सभी सम्मन को बताया गैरकानूनी, अदालत से मांगी राहत

नई दिल्ली- दिल्ली के मुख्यमंत्री और प्रवर्तन निदेशालय के बीच नूराकुश्ती जारी है. कानूनी तौर पर अभी तक ईडी द्वारा कई बार नोटिस देने के बाद भी ईडी कार्यालय नहीं पहुंचने वाले अरवन्दि केजरीवाल ने फिर एक बार नोटिस को दिल्ली हाईकोट में चुनौती दी है.

नोटिस के खिलाफ दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. केजरीवाल ने ईडी के सभी समन को गैरकानूनी बताया है. बता दें कि ईडी ने केजरीवाल को नौवां समन जारी कर 4 मार्च (सोमवार) को पूछताछ के लिए पेश होने को कहा था. हालांकि, सुप्रीमो ने समन को नजरअंदाज करने का फैसला किया है क्योंकि दिल्ली सरकार आज विधानसभा में अपना बजट पेश करेगी. जांच एजेंसी को अपने जवाब में, मुख्यमंत्री ने कहा कि वह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सवालों का जवाब देने के लिए तैयार हैं और दोहराया कि उन्हें जारी किया गया समन 'अवैध' था. उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश होने के लिए 12 मार्च के बाद की तारीख मांगी है.

पार्टी ने बयान जारी करते हुए कहा, "दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने प्रवर्तन निदेशालय को जवाब भेजा है. उन्होंने कहा कि समन गैरकानूनी है लेकिन फिर भी वह जवाब देने को तैयार हैं. अरविंद केजरीवाल ने ईडी से 12 मार्च के बाद की तारीख मांगी है. उसके बाद अरविंद केजरीवाल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई में शामिल होंगे.

गुरूवार 14 से 20 मार्च 2024

मेष
इस राशि के लोगों के लिए नया साल आशा आकांक्षाओं को प्रफुल्लीत करने वाला साबित होगा. माता-पिता का आशिर्वाद असंभव को भी संभव करा सकता है.

वृषभ
घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है.

मिथुन
अपनों से प्रेम ही आपकी प्रगति का माध्यम बन सकता है. यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का फायदा मिलने वाला है.

कर्क
आय देखकर व्यय करने से ही कई समस्याओं का समाधान हो सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह
सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या
विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.

तुला
नई योजनाओं, स्पर्धा परीक्षा तथा नए व्यवसाय में कामयाबी मिल सकती है. भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे.

वृश्चिक
दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु
गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर
घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें.

कुंभ
नए साल में प्रगति का योग है. अपनों का साथ मिलना श्रेयस्कर रहेगा. समय का महत्व समझें.

मीन
दौड़धूप कर रास्ते में आने वाली मुश्किलें दूर हो सकती हैं. व्यापारिक विस्तार की संभावना बढ़ रही है.

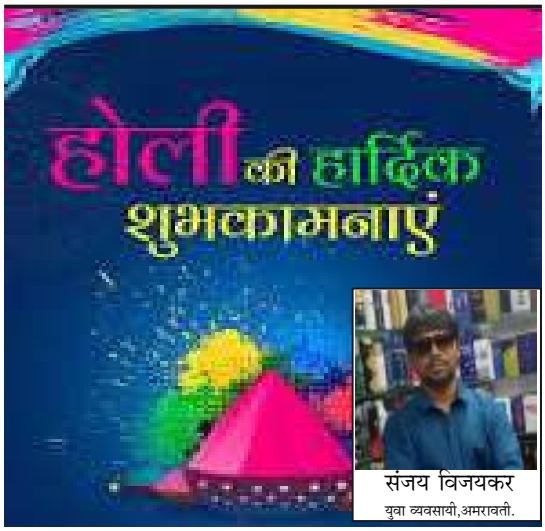

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे
मोबाइल 9423426199

इंसानियत बढ़ाएं

आधुनिक खोज मानव जीवन के लिए वरदान होनी चाहिए.लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि कई बार आधुनिक खोज ही इंसान के लिए सबसे बड़े दुश्मन का काम करती है. आज इन्सान तेजी से बढ़ रहे हैं लेकिन इंसानियत घट रही है. सड़क पर दुर्घटना होने के बाद घायल की मदद करने की बजाय उसका फोटो और विडियो निकालने की प्रवृत्ति इन्सानों की कदापि नहीं हो सकती है. राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज ने यही सोचकर कहा था कि माणुस दे मज माणुस दे..आज आबादी बढ़ने के बाद भी इंसानियत का घटना निश्चित ही चिंता की बात है. हमारी कोशिश होनी चाहिए कि इन्सानियत को बढ़ाने के लिए हम क्या कर सकते हैं. इंसानियत जब बढ़ेगी तो निश्चित ही कई समस्याओं का समाधान हो जाएगा. खुशियों का अगर हम कारण नहीं बन सकते हैं तो दुःखों का कारण बिल्कुल नहीं बने, ऐसा प्रयास करें.

अमरावती बनी है देश में चर्चा की सीट

सांसद नवनीत राणा के व्यापक संपर्क ने सभी को किया है चिंतित

विदर्भ स्वाभिमान

कहते हैं कि जीवन में सदैव सभी के साथ अच्छा करने की सोच रखने वाले व्यक्ति का कभी बुरा प्रभु नहीं होने देते हैं. जीवन में सुख-दुःख और खुशी तथा गम में जो लोग समभाव में रहते हैं, उनके साथ प्रकृति स्वयं जुड़ जाती है और उनके काम को संवारने में अपना योगदान देती है. अमरावती की सांसद सौ. नवनीत राणा ऐसी ही हस्ती हैं. सांसद का चुनाव चुनकर आने के बाद से जिस तरह से उन्हों ने जनता के लिए स्वयं को झों क दिया, संसद में चाहे किसानों, मजदूरों, गरीबों, महिलाओं, दिव्यांगों की समस्याएं उठाने की बात हो अथवा महिलाओं पर होने पाले अत्याचार के खिलाफ आवाज की बात हो, उन्हों ने सदैव लोगों के साथ स्वयं को जोड़े रखा. आदिवासी बहुल मेलघाट में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बाद अगर बेटी का सम्मान किसी नेत्री ने प्राप्त किया होगा तो वह नवनीत राणा है. सबसे बड़ी बात यह है किसांसद होने के बाद भी उन्हें कभी गर्व नहीं रहता है. पति रवि राणा के सामाजिक कार्यों का जहां उन्हें लाभ मिला है, वहीं दूसरी ओर उन्होंने स्वयं के कामों से भी अपनी स्वतंत्र पहचान गल्ली से लेकर दिल्ली तक बनाई है. वह पहली सांसद ऐसी हैं, जो मध्यम क्षेत्रों में दुर्गा मंडल अथवा गणेश मंडल में महिलाओं के साथ गरबा खेलने में भी परहेज नहीं करती हैं. विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत में वे कहती हैं कि भैया जनता का प्यार ही उनके लिए सबसे बड़ी कमाई है. पद आते हैं, जाते हैं लेकिन वे लोगों के प्यार को सदैव दिल में संजोकर रखना चाहती हैं. उनके मुताबिक पद का कद तब बड़ा होता है जब वह जनता के काम आए. उनके पति के साथ ही युवा स्वाभिमान परिवार सहित पूरा जिला उनके लिए परिवार जैसा है. महिलाओं पर अथवा किसी पर भी अत्याचार वे बर्दाश्त नहीं कर पाती हैं. स्पष्ट वक्ता के तौर पर कोई बात नहीं पटी तो तत्काल प्रतिक्रिया देने में पीछे नहीं हटती हैं. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, अमित शाह के साथ लोकसभाध्यक्ष सहित दिग्गज नेताओं के साथ उनके मधुर संबंध होने का लाभ उन्हों ने जिले के विकास के लिए उठाया है. उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस द्वारा राणा दम्पति के कामों की सराहना यूं ही नहीं की जाती है. दोनों विकास को लेकर जहां जिद्दी हैं, वहीं जनता के दुःख को देख नहीं सकते हैं. रवि राणा की विनम्रता, नवनीत राणा की सादगी ही उन्हें हर मंजिल पर कामयाब बनाने का दावा कर सकते हैं.आप आगे बढें, यही कामना.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.

फोन 2564125,2674048

राजपुरोहित डिजिटल स्टुडियो

फोटोग्राफी की आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता क़ी विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.

राजपुरोहित फोटो स्टुडियो

कृष्णार्पण कॉलोनी, संत लहानुजी महाराज मंदिर के पास,अमरावती.अमरावती.

मो.9028123251

श्री बालाजी कॅटरर्स

आमचे येथे लग्न, वाढदिवस, वास्तु व शुभ कार्यप्रसंगी स्वादिष्ट भोजनाचे ऑर्डर स्विकारल्या जाईल.

भट्टवाडी, गोपाल नगर, अमरावती.

द्वारका महाराज व्यास मो.८२०८०३६१६७

अर्जुन व्यास - मो. ९९७५२७७१९९

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199

उम्र के ५० बाद चिंतन करना शुरू करें

प्रभु ने हमें जो आदर्श जीवन दिया है, यह केवल हमारे लिए ही नही है. हम क्या थे, क्या हैं और प्रभु ने हमें कितना दिया है, इसके लिए प्रभु का आभार जताने के साथ ही बने तक प्रयास करें कि जिन लोगों के कारण हमारी प्रगति हुई है, उन लोगों को हमने क्या दिया, यह भाव जिस दिन सम्पन्नों में आ जाएगा, उस दिन से समर्पण और निष्ठा जैसे शब्दों को बट्टा कभी नहीं लगेगा. कोई भी काम एकतरफा गलत होता है. मालिक अपने अधीनस्थों से समर्पण,निष्ठा की चाहत रखता है, लेकिन थोड़ी सी परेशानी आने पर हाथ झटक देता है, ऐसे में क्या समर्पण की सोच कर्मचारी रखेंगे. सोचना चाहिए.

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

❖ अमरावती, गुरूवार 21 से 27 मार्च 2024 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 39 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

समूचे भारत में माता-पिता की सेवा के महात्म्य और उनके आशिर्वाद की महत्ता को बढ़ावा देने वाले, भारतीय संस्कृति, धर्म और सामाजिक अच्छाईयों को समर्पित तथा इसे ही बढ़ावा देने के संकल्प के साथ 14 वर्षों से पत्रकारिता का गौरव बढ़ाने वाला एकमात्र समाचार पत्र. मानवता की सेवा, पशुओं की रक्षा के साथ ही बच्चों पर आदर्श संस्कार के लिए प्रयासरत हैं. आप भी माता-पिता की सेवा से जुड़े अपने विचार हमें भेज सकते हैं. मानवता की सेवा वाले प्रसंगों को भी प्रकाशित करेंगे.

पूज्य बाबूजी स्व.जमुनाप्रसाद पारसनाथजी दुबे कहते थे कि आदर्श संस्कार और इन्सानियत की सबसे बेहतरीन पाठशाला संयुक्त परिवार होती है. इसमें बचपन से ही बच्चों में अगर अपनापन, आत्मीयता की सीख दी जाए तो जीवन में उस घर के बच्चे कभी गलत रास्ते पर नहीं जाते हैं. लेकिन जिन घरों में पति-पत्नी के बीच अक्सर झगड़े होते हैं, दोनों अपने मन मुताबिक करते हैं, उनके झगड़े का सबसे बुरा असर बच्चों की मानसिक सोच पर पड़ता है. इससे बचना चाहिए.

विज्ञापन, आजीवन सदस्य बनने के लिए संपर्क करें

हमारा पता-विदर्भ स्वाभिमान श्रीहरी भवन, छाया कॉलोनी, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, जाधव आटा चक्की तथा विदर्भ स्वाभिमान गल्ली, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8855019189/8208407139

Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com